पाकिस्तान द्वारा परमाणु बम का निर्माण

295. **श्री राम चन्द्र विकल** : क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि पाकिस्तान ने परमाणु बम बना लिया है या बना रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) कौन-कौन से देश पाकिस्तान को परमाणु बम बनाने में मदद कर रहे हैं :

(घ) भारत सरकार की पाकिस्तान द्वारा परमाणु बम बनाए जाने पर क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ङ) क्या भारत ने पाकिस्तान, अमरीका या संयुक्त राष्ट्र संघ को अपनी चिंता व्यक्त की है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नही, तो उसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह): (क) और (ख) सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली इस आशय की खबरें देखी हैं।

(ग) पाकिस्तान कई देशों से नाभिकीय शस्त्र प्रौद्योगिकी सामग्री तथा उपस्कर चोरी-छिपे हासिल करता रहा है ।

(घ) सरकार पाकिस्तान की ओर से नाभिकीय शस्त्र सामर्थ्य अर्जित करने के लिए उसकी ओर से निरन्तर किए जा रहे प्रयासों को निस्सन्देह गंभीर चिंता की निगाह से देखती है और इस पर तथा उन अन्य सभी घटनाओं पर कड़ी नजर रखे हुए हैं जिनका देश के सुरक्षा पर्यावरण पर कुप्रभाव पड़ सकता हो ।

(ङ) इस मसले पर भारत की चिंता सर्वविदित है और हालांकि इस मामले को पाकिस्तान तथा अमरीका दोनों के साथ उठाया गया है, फिर भी दुर्भाग्यवश नाभिकीय हथियार प्राप्त करने की दिशा में पाकिस्तान के प्रयासों में कोई कमी नही आई है ।

IPKF Personnel killed Injured in Sri Lanka

296. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

SHRI KAILASH PATI MISHRA:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the number of personnel of Indian Peace Keeping Force who died/have been injured during operations in Sri Lanka as on date;

(b) the overall expenditure incurred so far on this venture; and

(c) the outcome thereof?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI K. C. PANT): (a) Upto 17-7-1988, 511 IPKF personnel were killed and 1526 injured in operations in Sri Lanka.

(b) According to the figures compiled so far, a sum of approximately Rs. 97.80 crores has been spent on IPKF operations upto 31-5-1988.

(c) As a result of IPKF operations, near normal conditions have been restored in the North and East in Sri Lanka and members of all communities have been given a sense of security.

Irrigation Projects of Gujaart

297. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) the number of irrigation projects of Gujarat approved by Government and the number of projects being considered for approval; and

(b) the dates of submission and clearance of the approved projects, their costs and irrigation command area and also, hectare-wise cost?